

असाधारगा EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ²37

नई विल्ली, बृहस्पतिबार, अप्रैल 9, 1992/चैत्र 20, 1914

No. 237]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 9, 1992/CHAITRA 20, 1914

इ.स. भाग में भिल्ल पृष्ठ संस्था को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कार में राजा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

ग्रधिसूचना

नई विल्ली, 9 मप्रैल, 1992

का. ग्रा 272 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) ग्रिध-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29 ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के औद्योगिक विकास विभाग की भिक्षिसूचना संख्या का. थ्रा. 477 (श्र) तारीख 25 जुलाई, 1991 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, ग्रर्थात :---

उन्त प्रधिस्चना की धनुस्ची 2 मे,

- (क) ऋम संख्या 8 और उससे यंबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित ऋम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी. श्रर्थात:---
 - "8. प्लाई बुड, सभी प्रकार के वैनियर्स तथा लकड़ी पर ग्राधारित अन्य उत्पादन जैमे पार्टिकल बोर्ड मीडियम डैन्सिटी फाइबर बोर्ड और ब्लाक बोर्ड।"
 - (ख) कम संख्या 15 और उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।

[फा. संख्या 10(43)/91—एस पी]

एल. मानसिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development) NOTIFICATION

New Delhi, the 9th April, 1992

S.O. 272(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act. 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following furth amendments in the notification of the Government of India in the Department of Industrial Development, No. S.O. 477(E), dated the 25th July, 1991, namely:—

In Schedule-II to the said notification,

- (a) for Sr. No. 8 and the entries relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—
 - "8. Plywood, vencers of all types and other wood-based products such as particle board, medium density fibre board, and block board."
- (b) Serial number 15 and the entries relating thereto shall be omitted.

[No. 10(43)|91-LP] L. MANSINGH, Jt. Seev.